सरकारी क्षेत्र के बैंकों में वित्तीय गबन

7810 श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विगत कुछ वर्षों में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में वित्तीय गबन के मामलों में भारी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के वर्षों के दौरान ऐसी कुल कितनी घटनाएं हुई हैं ;

(ग) इन घटनाओं में कुल कितनी राशि संलिप्त थी ;

(घ) क्या गबन के इन मामलों में दोषी पाए गए व्यक्तियों को सरकार द्वारा न्यायालयों के माध्यम से दंडित किया गया था ; और

(ङ) यदि हां तो, कितने लोगों के विरुद्ध न्यायालयों में मामले दर्ज कराए गए तथा किन-किन व्यक्तियों को दंडित किया गया और कुल कितने व्यक्तियों पर इन मामलों में लिप्त होने के आरोप लगाए गए ;

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) से (ङ) वर्ष 1992, 1993 और 1994 के दौरान सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को दी गई सूचना के अनुसार धोखाधड़ियों की संख्या और उनमें अन्तर्ग्रस्त राशियों के संबंध में तत्काल उपलब्ध सूचना निम्नानुसार है :-

वर्ष	धोखाधड़ियों की संख्या	अंतर्ग्रस्त राशि (लाख रुपए में)
1992	1717	14449.10+1500 फिजियन शिलिंग
1993	2213	32032.43
1994 (आंकड़े अनंतिम)	2266	20007.88+9844000 युगांडा शिलिंग

भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि वर्तमान आंकड़ा संग्रहण प्रणाली से बैंकों द्वारा अदालतों में ले जाए गए व्यक्तियों की संख्या के संबंध में सूचना प्राप्त नहीं होती । भारतीय रिजर्व बैंक के पास तत्काल उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 1992, 1993 एवं 1994 [सितम्बर तक] के दौरान उन कर्मचारियों की संख्या जिनके खिलाफ धोखाधड़ियों/कदाचारों और दोषसिद्ध कर्मचारियों की संख्या नीचे दी गई है :

वर्ष	धोखाधड़ी/कदाचारों के लिए दोषसिद्ध कर्मचारियों की संख्या	उन कर्मचारियों की संख्या, जिनके खिलाफ अदालतों में कारवाई लंबित है
1992	57	1003
1993	71	963
1994	52	977

[सितम्बर तक आंकडे अनंतिम)